ब्रह्माकुमारीज़ जैसा श्रेष्ठ और सदाचारयुक्त संगठन और कोई नहीं - महंत डॉ. रामविलास

अयोध्या-बजीरगंज(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल प्रभाग द्वारा भारत सरकार के सहयोग से देशव्यापी रूप में चलाए जा रहे "मेरा भारत, नशा मुक्त भारत" अभियान का एक नवीन शुभारम्भ हुआ। महंत कमल नयन दास जी महाराज ने कहा कि आज विश्व में अनेक विषमता फैली हुई है। ऐसे समय में हमें अपने पूर्वजों के आदर्शों को अपनाकर आगे बढ़ना होगा। हमारी यही कामना है कि यह संस्था इन्हीं आदर्शों पर चलकर उत्तरोत्तर उन्नति प्रगति करती रहे। राम मंदिर आन्दोलन के मुख्य प्रणेता में से एक पूर्व सांसद महंत डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे विश्व में ब्रह्माकुमारीज़ जैसा श्रेष्ठ, सात्विक और सदाचारयुक्त संगठन कोई नहीं। मुझे प्रसन्नता हो रही है कि संस्था द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान चलाया है। मुझे लगता है कि ब्रह्माकुमारीज़ के माध्यम से पूरे विश्व में इस प्रकार की समस्या का समाधान हो सकता है। कार्यक्रम में माउंट आबू के वरिष्ठ राजयोगी एवं अभियान के संयोजक ब्र.कु. डॉ. बनारसीलाल शाह ने संस्था द्वारा देश व्यापी रूप में चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान की उपलब्धियों की संक्षिप्त जानकारी देते हुए कहा कि परमात्मा शिव की सूक्ष्म प्रेरणा और आप संतों के सानिध्य और आशीर्वाद से संस्था के इस अभियान को और सफलता मिलेगी ऐसा हमारा विश्वास है। श्रीराम मंदिर के पुजारी श्री प्रदीप जी महाराज ने अपनी शुभ कामनाएं देते हुए संस्था के कार्यों की सराहना की। अयोध्या के जिला पंचायत अध्यक्षपति आलोक सिंह, वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. पंकज, ब्र.कु. रामसुख मिश्रा,शांतिवन, ब्र.कु. संदीप, ब्र.कु. मनीषा, ब्र.कु. रणधीर, ब्र.कु.अमिता,बलरामपुर आदि ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। राजयोगी ब्र.कु. दीपेन्द्र ने शब्द पुष्प द्वारा व कुमारी शिवी ने सुन्दर नृत्य की प्रस्तुति से अतिथियों का स्वागत किया। संचालक वाराणसी परिक्षेत्र के राजयोगी ब्र.कु. विपिन ने धन्यवाद ज्ञापन किया और ब्रह्माकुमारीज़ स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शशि दीदी ने स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में श्रद्देय संतों ने ब्र.कु. सुधा, ब्र.कु. रेनू, ब्र.कु. अर्चना, ब्र.कु. माधुरी आदि को सेवा का कलश प्रदान किया। उक्त अवसर पर राजयोगी ब्र.कु. रामेश्वर,माउंट आबू, ब्र.कु. गंगाधर,सारनाथ,वाराणसी, ब्र.कु. रामजीत,अयोध्या, ब्र.कु. सौरभ, ब्र.कु. महेश, ब्र.कु. संध्या,गोसाईगंज एवं ब्र.कु. शैलजा सहित शहर के अन्य महानुभावों ने उपस्थित रहकर लाभ लिया।

बुज़ुर्ग के हृदय से निकली दुआएँ सोने-चाँदी से भी अधिक मूल्यवान

हिसार-हरियाणा। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और ब्रह्माकुमारीज़ के मध्य हुए एमओयू के अंतर्गत संगमः "गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन" अभियान के तहत एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पीढ़ियों के बीच आए अंतर को मिटाने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान, सुरक्षा और आत्मगौरव का अनुभव कराना रहा। यह अभियान वर्तमान में पूरे भारतवर्ष में संचालित है।

"गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन" अभियान के अंतर्गत 2000 से अधिक बुज़ुर्गों का सम्मान

मुख्य अतिथि स्वामी राजदास जी महाराज, संस्थापक-श्री कृष्ण प्रणामी बाल सेवा आश्रम ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज की पीढ़ी को स्वयं अपने माता-पिता का सम्मान कर आने वाली पीढ़ी को संस्कार देने होंगे। परिवार में जैसा आचरण होता है, बच्चे वही सीखते हैं। मुख्य वक्ता राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी,निदेशिका ओम शांति रिट्रीट सेंटर ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हमारे बुज़ुर्ग दुआओं का अथाह सागर है। उनके हृदय से निकली दुआएँ सोने-चाँदी से भी अधिक मूल्यवान होती हैं। वे छायादार वृक्षों के समान हैं; ऐसे वृक्षों को क्षति पहुँचाना स्वयं को कमज़ोर करना है। बुज़ुर्गों के साथ समय बिताना अत्यंत लाभकारी होता है। विशिष्ट अतिथि प्रवीण पोपली,महापौर ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था शांतिपूर्ण और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने के लिए समाज को प्रेरित कर रही है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही सेवाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उपक्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. रमेश कुमारी दीदी ने कहा कि बुज़ुर्गों के सम्मान में कमी और अभिमान की अधिकता ही हमारी सामाजिक कमज़ोरियों का कारण बनती जा रही है। ब्र.कु. रणधीर पनिहार,विधायक,नलवा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था भिन्न-भिन्न अभियानों के माध्यम से समाज से बुराइयों को दूर कर भाईचारे को बढ़ावा दे रही है। यह कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज़ हिसार की प्रारंभिक सेवाओं के प्रमुख स्तंभ रहे स्व. ब्र.कु. डॉ. राम प्रकाश भाई जी की पुण्य स्मृति में समर्पित रहा। कार्यक्रम में ब्र.कु. बीरेंद्र,मुख्यालय कोऑर्डिनेटर,सोशल सर्विस व ब्र.कु. अवतार,नेशनल कोऑर्डिनेटर,सोशल सर्विस ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने ब्रह्माकुमारियों को कलश एवं भाइयों को शिव-ध्वज प्रदान कर अभियान का शुभारंभ किया। यह आयोजन समाज में बुज़ुर्गों के सम्मान, पारिवारिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को सुदृढ़ करने का प्रेरक संदेश देगा।

नशे की लत से छुटने के लिए राजयोग मेडिटेशन कारगर

इंदौर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल प्रभाग द्वारा सारे भारत में चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान का इंदौर ज़ोन के न्यू पलासिया स्थित ज्ञान शिखर में में शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से स्थाई रूप से नशा मुक्त होने वाले 254 विजयी योद्धाओं का समारोह में सम्मान किया गया। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनें वह पारसमणि हैं जिनके संग में आने से तथा उनकी तपस्या का रंग लगने से कैसा भी पत्थर सदृश्य मनुष्य सोना बन जाता है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग के सेक्रेटरी तथा नशामुक्त भारत अभियान के डॉ.बनारसी लाल शाह,माउंट आबू ने अभियान का उद्देश्य बताया। कहा कि अभियान के अंतर्गत 36 नशामुक्ति व्हीकल्स द्वारा पूरे भारतवर्ष में गाँव-गाँव, शहर-शहर के स्कूल, कॉलेज एवं अनेक सामाजिक संस्थाओं में कार्यक्रम कर नशा मुक्त होने का संदेश दे रहे हैं। अब तक लगभग साढ़े चार करोड़ लोगों ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया है। इंदौर ज़ोन की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने कहा कि आप विजयी योद्धाओं ने जीवन में आध्यात्मिकता को अपनाकर वह सराहनीय कार्य किया है जिससे सिद्ध हो गया कि दृढ़ संकल्प द्वारा स्वयं के मनोबल को बढ़ाकर किसी भी तरह के नशे से सहज ही छुटकारा पाया जा सकता है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने कहा कि नशा ग्रस्त लोगों के साथ दुर्व्यवहार न कर हमें उन्हें प्रेम से ही कंट्रोल करना चाहिए क्योंकि नशा करने वाले अंदर से बच्चों की तरह बहुत भावुक होते हैं। डॉ. दिनेश जोशी,मंदसौर ने राजयोग के अभ्यास से नशा मुक्त बनने तथा अपने जीवन में आए परिवर्तन का अनुभव सबके साथ साझा किया। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी अतिथियों द्वारा 'नशा मुक्ति रथ' को हरी झंडी दिखाकर आगे की नशा मुक्ति की सेवाओं हेतु रवाना किया गया। समारोह में उपस्थित 254 विजयी योद्धाओं को मेडल, शॉल, सर्टिफिकेट तथा ईश्वरीय सौगात भेंट कर ताज एवं बैज पहनाकर सम्मान किया गया। अंत में मेडिकल विंग की ज़ोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. ऊषा ने सभी का आभार माना तथा मंच संचालन सुप्रसिद्ध फिजिशियन डॉ. शिल्पा देसाई ने किया।

कार्यक्रम में...

- 254 विजयी नशा मुक्त योद्धाओं का किया सम्मान।
- अभियान के अंतर्गत 36 नशा मुक्ति व्हीकल्स द्वारा पूरे भारतवर्ष में गाँव-गाँव, शहर-शहर के स्कूल, कॉलेज एवं अनेक सामाजिक संस्थाओं में कार्यक्रम कर नशा मुक्त होने का दे रहे हैं संदेश।
- अब तक 4,50,00,000 लोगों ने नशा मुक्ति का लिया संकल्प।

रात्रि को भोजन करने के बजाए शाम को भोजन करें

बीकानेर-राज.। आध्यात्मिक कार्यक्रम हेतु ब्र.कु. शिवानी बहन के नाल एयरपोर्ट,बीकानेर आगमन होने पर अर्जुन राम मेघवाल,केंद्रीय कानून मंत्री,भारत सरकार द्वारा गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय सादुल गंज,बीकानेर के द्वारा विशाल भव्य कार्यक्रम "नया संकल्प-नया जीवन" का आयोजन श्री गणेशम् रिसॉर्ट में किया गया। जिसका शुभारंभ अर्जुन राम मेघवाल,केंद्रीय कानून मंत्री,भारत सरकार द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर विश्व विख्यात आध्यात्मिक प्रेरक वक्ता ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि सकारात्मक सोच व संकल्प को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं तथा रात्रि को भोजन करने की बजाय शाम को भोजन करें। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि सुबह उठते ही व सोने से पहले मोबाइल का त्याग कर सकारात्मक चिंतन करने व ध्यान योग के अभ्यास द्वारा मन को एकाग्र कर श्रेष्ठ संकल्पों से श्रेष्ठ जीवन बनाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि अर्जुन राम मेघवाल ने अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा कि शिवानी बहन का जीवन आध्यात्मिक चेतना का पर्यायवाची बन चुका है। इस तरह के आध्यात्मिक कार्यक्रम भारत को आध्यात्मिक गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने की दिशा में एक नई पहल है। अतः आज इस कार्यक्रम में मैं एक श्रोता के रूप में सुनने आया हूँ। कार्यक्रम में मंच संचालक निधि भाई, सुप्रसिद्ध गायक हरीश मोयल, विश्वनाथ मेघवाल,विधायक, खाजूवाला, नरेश कुमार ठकराल,सदस्य सचिव,राज्य वित्त आयोग, विश्राम मीणा,संभागीय आयुक्त, डॉ. सुरेंद्र वर्मा,प्रधानाचार्य, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज,बीकानेर, सुभाष मित्तल,उद्योगपति, महावीर रांका,उद्योगपति उपस्थित रहे। संभाग संचालिका ब्र.कु. कमल दीदी व शहर के हर वर्ग से जुड़े गणमान्य लोगों सहित 7000 से भी अधिक लोगों ने इस सुनहरे शांति के अवसर का भरपूर लाभ लिया।